>

Title: Further discussion on the need to uplift the socio-economic and educational status of minorities in the country, raised by Shri SK. Saidul Haque on the 24th March, 2011.

श्री सलमान खुर्शीद : सभापति जी, मेरा आपसे आग्रह है कि मैं अपने सभी सम्मानितगण साथियो से निवेदन करूंगा कि यह बहुत महत्वपूर्ण विषय है, यह प्रस्ताव इनकी तरफ से आया था...(व्यवधान) अल्पसंख्यकों के बारे में आप लोगों की जो चिन्ता है...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Only the hon. Minister's statement will go on record.

*(Interruptions) â€¦**

श्री सलमान खुर्शीद : माननीय सदस्यों ने अल्पसंख्यकों के बारे में जो चिन्ता व्यक्त की है, उसके लिये मैं आप सब का आभार प्रकट कर रहा हूं। मेरा आप लोगों से निवेदन है कि ऐसे महत्वपूर्ण विषय को न ठुकरायें। हमारे सदन के बाहर लोग क्या कहेंगे? सदन के बाहर आप लोगों का चेहरा देखकर क्या कहेंगे कि आप लोगों ने अल्पसंख्यकों के बारे में चिन्ता जताई है परंतु उस पर आप सहयोग देने के लिये तैयार नहीं हैं।

सभापति जी, कल बहस के दौरान बात आयी थी कि क्या बजट का उचित हिस्सा अल्पसंख्यकों के लिये दिया जा रहा है? मैं इस बात को स्पष्ट करना चाहता हूं कि हमारे देश के सम्पूर्ण बजट में भी अल्पसंख्यको का अधिकार है।

हमने 15 नुकाती कार्यक्रम बनाया है।...(व्यवधान) हमने जो 15 प्वाइंट प्रोग्राम बनाया है, ...(व्यवधान) उस 15 प्वाइंट प्रोग्राम के तहत जहां-जहां भी विकास की जितनी भी धनराशि लगती है, उसे एक मुद्रा में, 15 प्रतिशत की मुद्रा में अल्पसंख्यकों के लिए समर्पित किया जाता है...(व्यवधान) तो सभी मंत्रालयों में 15 प्रतिशत उस मुद्रा को टारगेट बनाया जाता है।...(व्यवधान)हाउस को इस बात को सुनकर प्रसन्नता होगी कि 15 प्वाइंट प्रोग्राम में अगर हमने वर्ष 2007-08 में छह हजार करोड़ रूपया अल्पसंख्यकों के लिए समर्पित किया था...(व्यवधान) तो आज वह 21 हजार करोड़ रूपया हो चुका है।...(व्यवधान) जहां पर फाइनेंस की बात नहीं है कि धनराशि प्राप्त नहीं है, ...(व्यवधान) यह कहना कि हमें डेवलपमेंट के लिए धनराशि नहीं मिल पाती, वहां प्रायोरिटी सेक्टर लोन में आज एक लाख 17 हजार करोड़ रूपया अल्पसंख्यकों को प्रायोरिटी सेक्टर लोन्स में दिया जा चुका है।...(व्यवधान) यह कहना कि हम अल्पसंख्यकों के लिए धनराशि आबंटित नहीं करा रहे हैं, यह सरासर गलत होगा। ...(व्यवधान)

महोदय, मैं बताना चाहता हूं कि यह बात भी हुई कि सात हजार करोड़ रूपया दिया गया है।...(व्यवधान) और जो सात हजार करोड़ रूपया हमारे प्लान में दिया गया है, वह पूरा खर्च नहीं हो रहा है, ...(व्यवधान) उसके बारे में मैं बताना चाहता हूं कि इस पंचवर्षीय प्लान के पूरे होने तक सात हजार करोड़ रूपये से ज्यादा धनराशि हम अल्पसंख्यकों पर लगा सकेंगे।...(व्यवधान) उसी के लिए मैं बताना चाहता हूं कि दो हजार आठ सौ पचास करोड़ रूपया बजट एस्टीमेट्स में इस वर्ष के लिए रखा गया है।...(व्यवधान)

महोदय, जहां तक एजुकेशन की बात आती है, शिक्षा की बात आती है, मैं बड़े हर्ष के साथ बताना चाहूंगा...(व्यवधान) कि पिछले वर्ष की जो हमारी प्री-मैट्रिक स्कॉलरशिप्स हैं, जो बच्चों के लिए स्कॉलरशिप्स थीं, उसमें हमने 20 लाख का टारगेट रखा था, ...(व्यवधान) लेकिन हम 37 लाख से अधिक स्कॉलरशिप्स अभी तक दे चुके हैं।...(व्यवधान) जहां 450 करोड़ रूपये का हमने फाइनेंशियल टारगेट रखा था,...(व्यवधान) इस वर्ष हमने उसे 600 करोड़ रूपया कर दिया है।...(व्यवधान) इसी तरह से पोस्ट-मैट्रिक में जहां हमने पिछले वर्ष चार लाख का लक्ष्य रखा था, उसमें हम तकरीबन पांच लाख का लक्ष्य पूरा कर चुके हैं और वहीं 265 करोड़ रूपया पिछले वर्ष हमने आबंटित किया था,...(व्यवधान) इस वर्ष हम 450 करोड़ रूपया आबंटित कर रहे हैं।...(व्यवधान)

महोदय, वहीं पर मीन्स कम मेरिट स्कॉलरशिप्स में हमने 55 हजार का जो लक्ष्य रखा था,...(व्यवधान)हम 55 हजार का लक्ष्य रखते हुए 40 हजार तक पहुंच गये हैं।...(व्यवधान) 135 करोड़ रूपये की जगह इस वर्ष हमने 140 करोड़ रखा है।...(व्यवधान)

महोदय, मैं 15 प्वाइंट प्रोग्राम कें संदर्भ में एक बात बताना चाहता हूं कि हमें यह गलतफहमी नहीं होनी चाहिए...(व्यवधान) कि 15 प्वाइंट प्रोग्राम में कोई धन अलग से दिया जाता है।...(व्यवधान) कभी-कभी यह चर्चा की जाती है कि हम ट्राइबल या एस.सी. सब-प्लान की तरह क्यों नहीं अल्पसंख्यकों के लिए सब-प्लान बनाते है?...(व्यवधान) उस सब-प्लान के लिए यह चर्चा में बार-बार आया है कि जो ट्राइबल और जो एस.सी. सब-प्लान है,...(व्यवधान) वह भी अपेक्षा अनुसार कामयाब नहीं हो पाया, इसलिए उस पर हम आगे न बढ़ें। जो हमने 15 प्वांइट प्रोग्राम का प्लान बनाया है, उसे ही हम आगे बढ़ायें।...(व्यवधान)

महोदय, मैं अपने सभी साथियों से इतना आग्रह करना चाहूंगा, शाहनवाज़ हुसैन साहब आ गये हैं, ...(व्यवधान) शाहनवाज़ हुसैन साहब ने चर्चा को बढ़ाया था, हमारे कीर्ति आजाद साहब भी पीछे हैं, ...(व्यवधान) मैं इनसे निवेदन करूंगा कि इन्होंने चर्चा को बढ़ाया था।...(व्यवधान) क्योंकि इन्होंने एक शेर से बात की थी, ...(व्यवधान) मैं एक शेर के द्वारा यह कहना चाहता हूं कः-

हज़ारों ख़्वाहिशें इतनी,

के हर ख़्वाहिश पे दम निकले,

बहुत निकले मेरे अरमान,

लेकिन फिर भी कम निकले। ...(यवधान)

हम आपसे वायदा करते हैं कि जितने भी अरमान इस देश के अल्पसंख्यकों के लिए हैं, ...(व्यवधान) हम उन सबको पूरा करेंगे।

हम अलगाववाद की नीति को पसंद नहीं करते। हम चाहते हैं कि इस देश में जो काम भी हों, उनके द्वारा अल्पसंख्यकों को यह बात सुनिश्चित करा दी जाए कि हम

सब बिरादरान-ए-वतन देशवासी एक साथ मिलकर इस देश में सब लोगों को एक साथ आगे बढ़ाना चाहते हैं, किसी को पीछे नहीं रखना चाहते, किसी को हम धक्का नहीं देना चाहते। लेकिन साथ-साथ मैं आपकी इस बात से भी सहमत हूँ कि अभी तक जितना पैसा आबंटित किया गया है, इससे अधिक धनराशि हमें प्राप्त होनी चाहिए। माननीय वित्त मंत्री जी यहाँ पर हैं। मैं आपको इस बात का विश्वास दिलाता हूँ कि हमने जब भी वित्त मंत्रालय से निवेदन किया कि हमें और पैसा चाहिए, तो वह पैसा हमेशा हमको दिया गया। आज 700 करोड़ रुपये मौलाना आज़ाद एजुकेशनल फाउंडेशन के लिए दिया गया है। यह और बढ़ेगा। लेकिन कभी-कभी आप यह कहते हैं कि इतना कम पैसा क्यों है। हमारी स्कॉलरशिप्स की स्कीम्स अभी दो साल पुरानी हैं। धीरे-धीरे यह अनुमान आएगा और इसके आँकड़े हमें मिल जाएँगे कि हमारी सप्लाई-डिमांड सिचुएशन क्या है। जैसा मैंने आपसे कहा, हमने 20 लाख का लक्ष्य रखा और 37 लाख स्कॉलरशिप्स हमने दीं। हम तैयार हैं। जितनी स्कॉलरशिप्स की भी आवश्यकता होगी, वह हम देंगे, लेकिन मैं आपसे निवेदन कर रहा हूँ कि प्रांतों की एब्ज़ॉर्बिंग कैपैसिटी बढ़ाइए। हम पैसा देने के लिए तैयार हैं, लेकिन स्टेट्स उन स्कॉलरशिप्स को सही तरीके से क्रियान्वित कर दे, यही हम आपसे निवेदन कर रहे हैं।

सभापति महोदय, माननीय सोनिया जी भी यहाँ बैठी हैं। हम आपसे इस बात का निवेदन कर रहे हैं कि आज जो MSDP स्कीम अभी 25 प्रतिशत आबादी पर लागू की गई है और वह वहाँ पर है जहाँ पर हम राष्ट्रीय दर से पिछड़े हुए हैं - बिहार में है, छत्तीसगढ़ में है, असम में है, उत्तर प्रदेश में है। लेकिन कई बार यह बात उठाई जाती है कि आपने पैसा दिया। ...(<u>व्यवधान</u>) हमने उत्तर प्रदेश में 1000 करोड़ रुपये भेजा है, लेकिन अभी तक उसका सही उपयोग नहीं हुआ। बात समझने की है। ...(<u>व्यवधान</u>)

मैं कीर्ति आज़ाद जी से कहना चाहता हूँ कि हमें जो सहयोग आपसे मिलेगा, हम उस सहयोग का आभार प्रकट करेंगे। यहाँ पर कहीं पार्टी का झगड़ा नहीं है। हम लोगों को साथ मिलकर काम करना है। मैं मेघवाल जी को भी बधाई देना चाहता हूँ, उन्होंने तो उर्दू टीचर्स के लिए और उपयोगी नई योजनाएँ बनाई जाएँ, इस बात को कल रखा है। मैं यह मानता हूँ और यह सौभाग्य का विषय है कि भारत के अल्पसंख्यकों को लेकर दोनों तरफ से हाउस में एक ही भावना सामने आई है कि जब हम अल्पसंख्यकों को आगे बढ़ाएँगे, तभी यह देश आगे बढ़ेगा। इस बात के लिए मैं आपको बधाई देता हूँ, लेकिन साथ साथ अपने साथियों से फिर निवेदन करता हूँ। ...(<u>व्यवधान</u>)

आपकी बात सदन के सामने आ गई है, लेकिन जिस उत्तर भारत के लिए आप चिन्ता व्यक्त कर रहे हैं, उसी उत्तर भारत में सबसे अधिक इन स्कीम्स को लागू करने का प्रावधान किया गया है। उस उत्तर भारत को तो कम से कम सुनने दो कि उनके लिए क्या हो रहा है।

कल यहाँ से हमारे कुछ साथियों ने यह कहा कि पैसा जा रहा है लेकिन लग नहीं रहा है। मैं सारे एमपीज़ से कहना चाहता हूँ कि 15 पॉइंट प्रोग्राम पर आप सबकी भागीदारी और आप सबकी निगरानी की आवश्यकता है। मैं आपसे निवेदन करूँगा कि 15 पॉइंट प्रोग्राम की समिति की बैठकें आप अपने अपने क्षेत्र में कराएँ, अपने अपने प्रांत में कराएँ और अगर बैठक नहीं होती है तो आप हमें बताएँ। अगर बैठक नहीं होती है तो हम पूरा प्रयास करेंगे कि आपकी बैठकें हों। आप एक बात समझने की कोशिश करें कि पिछले वर्ष तक स्थानीय एमपी का कोई हस्तक्षेप या भागीदारी 15 पॉइंट प्रोग्राम की कमेटी में नहीं होती थी। इस वर्ष से एमपीज़ को उस कमेटी में रखा गया है। अब आपका यह मानना है कि कमेटी की अध्यक्षता एमपी की होनी चाहिए, पैसा बढ़ाना चाहिए। मैं आपसे निवेदन करूँगा कि 12वाँ फाइव ईयर प्लान तैयार हो रहा है। कल प्लानिंग कमीशन के साथ कुछ एमपीज़ की बैठक भी हुई।

<u>13.15 hrs.</u> (Madam Speaker *in the Chair*)

हम लोगों ने भी बैठक की।...(<u>व्यवधान</u>) अध्यक्षा जी आयी हैं।...(<u>व्यवधान</u>) मैं समझता हूं कि अध्यक्षा जी के आने के बाद कम से कम आप लोग बैठ जाएंगे।...(<u>व्यवधान</u>)

अध्यक्ष महोदया, मैंने प्रयास किया है कि अपने साथियों को जितनी जानकारी दे सकूं, दे दूं, लेकिन इसके साथ-साथ जो प्रश्न उठे हैं, उन पर विस्तार से मैं सदस्यगण को अलग से पत्र लिखकर पूरी सूचना दूंगा।...(<u>व्यवधान</u>) और जितने हमारी साथी चाहेंगे।...(<u>व्यवधान</u>) अंत में मैं एक बात कहना चाहता हूं...(<u>व्यवधान</u>) दरभंगा का भी मुझे पूरा ख्याल रहेगा। मैं आपसे केवल इतना बोल रहा हूं।...(<u>व्यवधान</u>) यह चर्चा चलती रहेगी। बस एक शेर और सुन लीजिए।...(<u>व्यवधान</u>) एक शेर और सुन लीजिए।...(<u>व्यवधान</u>)

समंदर कर रहा था, मेरे अज़्म का तवाफ़

दुनिया समझ रही थी कि कश्ती भंवर में है।

...(<u>व्यवधान</u>) हमारी कश्ती भंवर में नहीं है, सारा समाज हमारा तवाफ़ कर रहा है, आप भी हमारे साथ चलिए, तवाफ़ करिए। इस मुल्क को बनाना है, बढ़ाना है।...(<u>व्यवधान</u>) मैं हर सदस्य को अलग से लिखना चाहूंगा।...(<u>व्यवधान</u>) लाल सिंह जी ने बक्करवाल साथियों के लिए कहा है। मैं उस पर भी चीफ मिनिस्टर साहब को संदेश भेजूंगा।...(<u>व्यवधान</u>) जहां-जहां आपकी समस्याएं हैं, मैं उनको दूर करने की कोशिश करूंगा।...(<u>व्यवधान</u>) और अन्य जिलों को शामिल करने की बात, हम इस पर भी विचार करेंगे। लेकिन मैं चाहूंगा कि आपका समर्थन मिले,...(<u>व्यवधान</u>) लेकिन जब लोग देखेंगे कि आप चिल्ला रहें हैं, जब हम बोल रहे हैं, तो लोग समझेंगे कि आप गंभीर नहीं हैं।...(<u>व्यवधान</u>) लालू जी, लोग समझेंगे कि आप गंभीर नहीं हैं।...(<u>व्यवधान</u>) मैं मानता हूं कि आपका यहां खड़ा होना हमारी सहमति में है। आप चाहते हैं कि हमारे जो कार्यक्रम हैं, उनको और तेजी से, मजबूती से आगे बढ़ाएं।...(<u>व्यवधान</u>)

अध्यक्षा जी, मैं आपका आभार प्रकट करता हूं कि आपने मुझे यह अवसर दिया। (इति)

<u>13.18 hrs.</u>

At this stage Shri Shailendra Kumar and some other hon. Members went back to their seats.